अब होगी छह महीने की इंडस्ट्री ट्रेनिंग!

- चार साल के पूरे कोर्स को बढ़ाने की सिफारिश, ट्रेनिंग का पीरियड भी जोड़ा जाए
- एकेटीयू में पहली एडवाइजरी कमेटी की बैठक आयोजित

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (4 July): डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) में इंजीनियरिंग कोर्स के निर्धारित समय सीमा को बढ़ाकर साढ़े चार साल करने की सिफारिश की गई. यूनिवर्सिटी में मंडे को आयोजित पहली एडवाइजरी कमेटी की बैठक में इस विषय पर प्रस्ताव रखा गया. इस अवसर पर आईआईटी बीएचयू के प्रो. आरबी मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में स्टूडेंट्स के लिए अलग से इंडस्ट्री ट्रेनिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए. इसके लिए चार साल के कोर्स में साढ़े चार करने की बात कही. इस बैठक की अध्यक्षता प्राविधिक शिक्षा मंत्री फरीद महफूज किदवई ने की. बैठक में मौजूद प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा मुकुल सिंघल ने कहा कि सरकारी कॉलेज अपने यहां पर खाली पदों को भरने के लिए जल्द से जल्द सूचना विभाग को भेजे. ताकि खाली पदों को भरने के लिए शासन से जल्द से जल्द अनुमोदन प्रदान किया जा सके.

सभी संस्थाओं का एकेडमिक ऑडिट

बैठक में मौजूद कर्नाटक यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी प्रो. एचपी किंचा ने कहा कि सम्बद्ध संस्थानों में हर साल होने वाले पढ़ाई का ऑडिट कराया जाना चाहिए. इसके अलावा संस्थाओं में रिसर्च और डेवलपमेंट के प्रति स्टूडेंट्स को बढ़ावा देना चाहिए. इसके लिए संस्थानों में डिस्कवरी सांइस लैब की स्थापना की जानी चाहिए. उन्होंने ने यह भी कहा कि अध्यापकों के चयन के लिए डिफेन्स यां आईएएस एकेडमी जैसी ट्रेनिंग के लिए इंजीनिरिंग ग्रेजुएट छात्रों का चयन कर उनकी ट्रेनिंग कराई जानी चाहिए.

एकेटीयू में हुई बैठक के दौरान इंजीनियरिंग कोर्स की समय सीमा बढ़ाकर साढ़े चार साल करने की सिफारिश की गई.

अपनी गुणवत्ता सुधारें कॉलेज, नहीं तो होंगे बंद

इस अवसर पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री फरीद महफूज किदवई ने कहा कि सरकारी संस्थानों में शिक्षकों के आवश्यक पदों के सृजन की बात कही. उन्होंने शिक्षकों के खाली पदों को तत्काल भरे जाने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने सेल्फ फाइनेंस कॉलेजों को चेतावनी दी कि गुणवत्ता नहीं सुधारी तो संस्थानों को बंद करने की कार्रवाई भी की जाएगी.